तारीख: 24-01-2024

राज्य में पुनः शीत दिवस/ अति शीत दिवस की संभावना

राज्य के अधिकांश भागों में 12 जनवरी, 2024 से ही शीत दिवस/ अति शीत दिवस की स्थिति बनी हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मौसम विज्ञान केंद्र, पटना से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में अगले 5 दिन भी (25 जनवरी से 29 जनवरी, 2024) शीत दिवस/ अति शीत दिवस जैसी स्थिति के बने रहे की संभावन है, और साथ ही कुछ स्थानों पर घने कोहरे का भी पूर्वानुमान है। इस स्थिति में-

किसान बंधु क्या करें:

- ठंड से होने वाली क्षति से बचाव के लिए सभी फसलों में हल्की सिंचाई फायदेमंद होगी।
- गेहूँ की फसल में एक हल्की सिंचाई के बाद बची हुई यूरिया का छिड़काव करें।
- वानिकी एवं फल वर्गीय छोटे पौधों को झाड़ियों, प्लास्टिक या बिना बुनी हुई फाइबर सामग्री से ढक दें।
- यदि खेत में पर्याप्त नमी हो तो 2% यूरिया का छिड़काव करें।
- यदि दलहनी फसलों में कीट अधिक संख्या में दिखाई पड़ें तो कीटनाशक दवा जैसे इंडोक्साकार्ब/ स्पिनोसैड/ इमिडाक्लोप्रिड का छिड़काव करें।
- आलू और टमाटर जैसी फसलों में झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए रिडोमिल गोल्ड (मेटालैक्सिल 4% + मैन्कोनजेब 64%) का छिड़वाव करें।
- पत्तागोभी, फूलगोभी और अन्य खड़ी फसलों में सरसों की खली का छिड़काव कर सकते है।
- मत्स्य पालन हेतु तालाब में जल स्तर छह फीट से ऊपर बनाए रखना चाहिए, गोबर जैसे उर्वरक का प्रयोग न करें और मछलियों को केवल सीमित मात्रा में ही चारा दें।

यह कृषि मौसम परामर्श भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना के वैज्ञानिकों द्वारा दिया गया है।